



Parth Pravin Pawar

23 Sep 2006

Model: Numerology-Report

Order No: 120796001

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 120796001

Date: 01/01/2026

नाम	Parth Pravin Pawar
जन्म तिथि	23/09/2006
मूलांक	5
भाग्यांक	4
नामांक	7
मूलांक स्वामी	बुध
भाग्यांक स्वामी	हर्षल/राहु
नामांक स्वामी	नेप/केतु
मित्र अंक	3, 9, 4
शत्रु अंक	2,
सम अंक	1, 6, 7, 8
मुख्य वर्ष	2021,2030,2039,2048,2057,2066,2075,2084
शुभ आयु	15,24,33,42,51,60,69,78
शुभ वार	गुरु, बुध, शुक्र
शुभ मास	मार्च, मई, सित
शुभ तारीख	5, 14, 23
शुभ रत्न	पन्ना
शुभ उपरत्न	संगपन्ना,बिलौर,मरगज
अनुकूल देव	लक्ष्मीनारायण
शुभ धातु	स्वर्ण
शुभ रंग	हरित
मंत्र	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः वृहस्पतये नमः
शुभ यंत्र	गुरु यंत्र

10	5	12
11	9	7
6	13	8

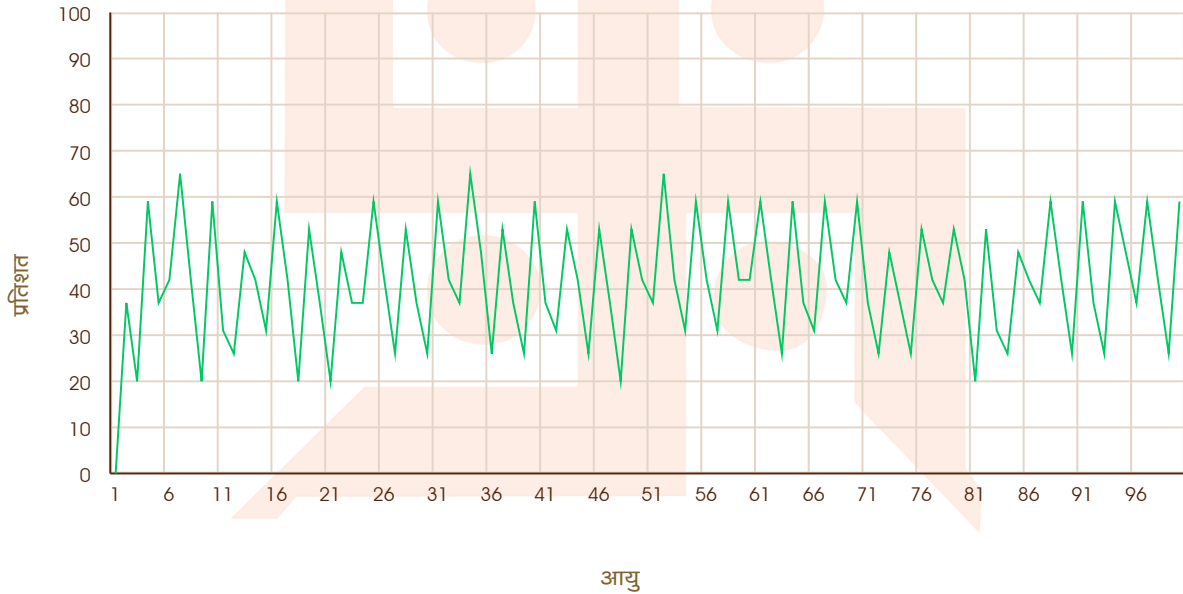


FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2021,2030,2039,2048,2057,2066,2075,2084

शुभ आयु 15,24,33,42,51,60,69,78

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 23 है। दो एवं तीन के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह को माना गया है। अंक दो का स्वामी चन्द्र तथा अंक तीन का गुरु है। अतः आपके जीवन पर मूलांक स्वामी बुध अंक स्वामी चन्द्र तथा गुरु तीनों का सम्मिलित प्रभाव दर्शनीय होगा।

मूलांक पाँच के प्रभाव से आपकी रुचि नौकरी की अपेक्षा व्यापार में अधिक रहेगी। बुध वाणिज्य का दाता है। यदि नौकरी भी करेंगे तो कॉमर्शियल विभाग, वित्त प्रधान कार्यों में रुचि रखेंगे। आप प्रत्येक कार्य को शीघ्रता से समाप्त करेंगे। रोजगार का चुनाव आप ऐसा ही करेंगे जहाँ कार्य शीघ्रता से एवं कम मेहनत करने पर अधिक लाभ प्राप्त होता हो। मानसिक स्थिति चंचल होने से क्रोध आपको जल्दी आयेगा, लेकिन उसी गति से शान्त हो जायेगा। बुद्धि का अधिक प्रयोग करने के कारण वृद्धावस्था में आपको स्नायुवेग के रोगों की संभावना रहेगी। चन्द्र प्रभाव से शीतरोग एवं गुरु प्रभाव से पीलिया जैसे उदर रोगों का सामना करना पड़ेगा।

चन्द्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आर्थिक स्थिति आपकी अच्छी रहेगी। बौद्धिक स्तर उच्च होगा। समाज में घुल-मिल जाने की कला में आप निपुण रहेंगे। सामाजिक ख्याति आपकी उच्चकोटि की रहेगी एवं मुखिया इत्यादि का सामाजिक पद विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा। आपको अपनी मानसिक चंचलता पर नियंत्रण रखना भविष्य के लिये लाभ दायक रहेगा।

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

आपका मूलांक 5 है तथा आपका भाग्यांक 4 है। मूलांक 5 का स्वामी बुध है तथा भाग्यांक 4 का स्वामी हर्षल है। मूलांक 5 और भाग्यांक 4 के बीच शत्रु संबंध है। इसके प्रभाववश मूलांक-भाग्यांक में विरोधाभास होने से कभी आपको इनका अच्छा फल प्राप्त होगा, तो कभी खराब फल मिलेगा। आपको मूलांक का यदाकदा अच्छा फल प्राप्त होगा, तो कभी भाग्यांक का, तो कभी-कभी दोनों का ही खराब फल मिलेगा। साधारणः इनके प्रभाववश आप शीघ्रातिशीघ्र गति से अपने रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में उन्नति प्राप्त करना पसंद करेंगे, जिसके

फलस्वरूप कई बार आपको अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी, तो एकाध बार असफलता का सामना करना पड़ेगा। आपकी आर्थिक स्थिति अधिक मजबूत नहीं रहेगी एवं धन संग्रह के लिए आपको काफी परिश्रम करना पड़ेगा। भौतिक सुख-साधन आपको उचित मात्रा में प्राप्त होंगे। आपका संपत्ति योग मध्यम श्रेणी का रहेगा एवं अपनी मेहनत के द्वारा जीवन के मध्य भाग से आप संपत्ति अर्जित करना प्रारंभ करेंगे तथा अंतिम अवस्था तक अच्छी संपत्ति एकत्रित करने में सफल होंगे।

आपके भाग्य का उदय 22 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 31 वर्ष की अवस्था पर आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 40 वर्ष की आयु पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

मूलांक 5 की 3 एवं 9 से मिलता है तथा भाग्यांक 4 की 1 एवं 8 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में 1, 3, 4, 5, 8, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनमें आपके जीवन की कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से शत्रु संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के शुभ फलों में थोड़ी-बहुत न्यूनता आएगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष, या दिन घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, मार्च, अप्रैल, मई, अगस्त, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 5 एवं भाग्यांक 4 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 1, 3, 4, 5, 8, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले होंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 3, 4, 5, 8, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

- 1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
- 3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
- 4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
- 5 . 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68

8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Parth Pravin Pawar

8+1+2+4+5 8+2+1+6+1+5 8+1+6+1+2

नाम का योग : 61 नामांक : 7

आपके नाम का कुल योग इकसठ है। छह एवं एक के योग से सात आपका नामांक होता है। अंक छह का स्वामी शुक्र एवं एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। नामांक सात का स्वामी नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों के गुण अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। शुक्र के प्रभाव से आपके अन्दर आकर्षण शक्ति अधिक रहेगी। सुन्दर नर नारियों से वार्तालाप करना, उनके मध्य रहना, व्यवहार करना आपको अच्छा लगेगा। आपके स्वभाव में थोड़ा हठीपन रहेगा। ईर्ष्या आपके अन्दर रहेगी। आपको, दूसरों का हित संपादन करते रहना विशेष रुचिकर लगेगा। सामाजिक क्षेत्र में आप सूर्य के समान प्रकाशित होंगे। आप जो भी कार्य करेंगे वह स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष रहेगा। उसमें किसी का भी हस्तक्षेप आपको पसंद नहीं आएगा। नेपच्यून के प्रभाव से आपको यात्रा, पयर्टन, सैर-सपाटा, विशेष अच्छा लगेगा। आप ऐसा रोजगार, व्यापार पसंद करेंगे जिसमें यात्राएं होती रहें। निवास क्षेत्र एवं दूरस्थ देशों में आपका नाम आदर के साथ लिया जाता रहेगा।

आपके नाम का नामांक 7 है। इसका आपके मूलांक 5 एवं भाग्यांक 4 से सम संबंध है। अतः आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रहों के शुभ फल आपके नाम को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं होंगे। इसके प्रभाव से आपका नाम समाज में पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त करने में असमर्थ रहेगा। यदि आप मूलांक एवं भाग्यांक के ग्रहों का सम्पूर्ण फल प्राप्त करना चाहते हैं तो आप अपने नाम में इस प्रकार से परिवर्तन करें कि आपका नाम आपके मूलांक तथा भाग्यांक के साथ उत्तम तालमेल स्थापित करले। नाम में परिवर्तन करने के कारण आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रह के पूर्ण फल प्राप्त होंगे तथा आपका नाम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में लोकप्रियता प्राप्त करने में सफल रहेगा।

अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहते हैं तो आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करें तथा उसका नामांक 9 आता हो और 2 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगे। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 1,8 अंक शुभ रहेंगे तथा 3, 4 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटाना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=9$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लोशु फल

4 4	9 9	2 2 2
3 3	5 5	7
8	1	6 6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - अनुपस्थित

यदि आपके लोशु चार्ट में 1 का अंक नहीं है। अतः आप अपने व्यक्तित्व को व्यक्त नहीं कर पाएंगे और दूसरों की सहायता व परिचर्या में अधिक रुचि रखेंगे। आप पूर्णतः अहम रहित होते हैं। लेकिन आप अपनी बात दूसरों को नहीं कह पाते अर्थात् अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाते। आपमें अभिव्यक्त करने की शक्ति नहीं होती है, अपने व्यक्तित्व के अंतस्थ भाग को प्रकट करते समय आप व्याकुलता का अनुभव करते हैं और मन की बात कहने में हिचकिचाते हैं। दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी आप प्रायः ठीक प्रकार से समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। आप अधिक लोगों के बीच खुद को असहज महसूस करते हैं। कार्य में एकाग्रता और निरन्तरता का अभाव होने से आप बीच में ही कार्य छोड़ देते हैं। भावनाओं को रचनात्मक रूप में व्यक्त करने के लिए आपको किसी रचनात्मक प्रेरणास्रोत की आवश्यकता होगी। और जीवन में आगे

बढ़ने के लिये दूसरे व्यक्ति का परामर्श या सहारा चाहिए होता है।

अंक 2 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक दो बार उपस्थित हैं। अतः आप बुद्धिमान, संवेदनशील व अंतर्ज्ञानि हैं, आप अपने अंतर्ज्ञान प्रतिभा का अच्छा उपयोग कर पाने में सक्षम हैं। आप में दूसरे व्यक्तियों के उद्देश्य को जानने की अदभुत क्षमता है एवं उनका प्रयोजन तुरंत जान लेते हैं। आप एक नजर में दूसरों का आंकलन करने में माहिर हैं, अपने जीवन के क्षणों को व्यर्थ नहीं गंवाते, आप समय की कीमत जानते हैं। किसी भी कार्य का आप तुरंत निर्णय कर लेते हैं और आपके निर्णय सही भी होते हैं। आपका सबसे महानतम गुण है कि आप परिस्थिति के अनुसार अपने आप को ढाल लेते हैं, समय और परिस्थिति के अनुसार अपने आपको बना लेने की इनमें अदभुत क्षमता होती है, इसी कारण समाज में हर जगह आपको सम्मान मिलता है, धन की कोई कमी नहीं होती, आप अपनी बुद्धि के बल पर आसानी से धनार्जन कर लेते हैं। आपके जीवन में कोई न कोई सहायक बना रहता है, यदि एक पीछे हट जाता है। तो दूसरा सहायक मिल जाता है, इस प्रकार आपके जीवन में सच्चे सहायकों की कमी नहीं रहती।

अंक 3 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में तीन अंक एक बार उपस्थित है। अतः आपकी स्मरण शक्ति तीव्र तथा मस्तिष्क तीक्ष्ण व विचारोत्पादक होता है, आप व्यावहारिक होते हैं, और अपने लक्ष्य तक पहुंचने में आपका दृष्टिकोण बहुधा आशावादी ही होता है, अपनी सकारात्मक सोच व आशावादी दृष्टिकोण से दूसरों को प्रेरणा देने में भी सक्षम होते हैं। मानसिक और शारीरिक रूप से आप विशेष सुदृढ़ हो, आप बड़े स्वाभिमानी हैं। किसी के आगे झुकना नहीं चाहते, स्वतंत्र प्रकृति के होते हैं, मित्र अधिक होते हैं और उनसे ही लाभ मिलता है। आप उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं, अध्ययनशील तथा पढ़ने लिखने में दक्ष होते हैं, कला, विज्ञान और साहित्य में आपकी रुचि होती है, आपका रचनात्मक दिमाग और उत्कृष्ट स्मृति है। आप में से कुछ लोग जमीन से जुड़े होते हैं, आप अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हो, आप अपनी आशावादिता और ईमानदारी से दूसरों को प्रेरित करने में सक्षम हो। आप जिस कार्य को करने की ठान लेते हैं तो उसे करके ही छोड़ते हैं। साथ ही आप एक अच्छे विचारक, दूरदर्शी, संभावित घटनाओं को भांप लेने वाले होते हैं।

अंक 4 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में चार अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप व्यावहारिक व हस्त कौशल में निपुण हैं, आप ऐसे व्यवसाय को पसंद करते हैं, जिसमें आप अपने हाथों से कार्य कर सकें, आप कल्पनाशील योजनाओं व सिद्धांतों से चिढ़ते हैं। आपमें दूसरों को संगठित करने और योजनाओं को पूर्णता तक पहुंचाने की क्षमता प्रकृति-प्रदत्त होती है। आप लोगों की संगीत व हस्त-शिल्प आदि कलाओं में भी गहरी रुचि होती है। आप अपनी कार्यक्षमता को अच्छे रूप से दूसरों के समक्ष रखने में सक्षम हैं। आप सामान्यतया व्यवहार कुशल हो और कठिन परिस्थितियों व गंभीर मसलों को कूटनीति से सुलझाने में दक्ष हो। आपका स्वभाव शांत और



FUTUREPOINT
Astro Solutions



कार्यों को पूरा करने में चतुराई से काम लेते हो।

अंक 5 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में पांच अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप भावनात्मक रूप से संतुलित हैं। आप दयालु, दूसरों के प्रति संवेदनशील व सहज प्रकृति के स्वामी हैं, दूसरों को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने में सक्षम होने के कारण आप संभावित सफलता से भी कुछ अधिक ही प्राप्त कर लेते हैं। आप तेज बुद्धि एवं दिमाग तथा योग्यता के कारण किसी भी काम को सफलतापूर्वक करने में सक्षम हैं। आप सामान्यतः अच्छी जिंदगी जीते हैं, आपको हर वैसे काम में दिलचस्पी होती है, जिसमें नयापन हो, आप अनेक प्रकार के व्यवसायों से धन अर्जित करने वाले, कुशाग्र बुद्धि, गणित विषय में निपूण और आपकी गणना करने की शक्ति तीव्र होती है। आप सभी विषयों को तार्किक दृष्टि से देखते हैं। वाणिज्य और कारोबार में भी आप सफल होते हैं। आप अच्छे वक्ता, संवाद और संचार के क्षेत्र में अद्भुत सफलता प्राप्त करते हैं।

अंक 6 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में छः अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप अपने घर और सगे-सम्बन्धियों से बहुत स्नेह करते हैं। आप अपने पारिवारिक उत्तरदायित्व को निभाना पसंद करते हैं और घरेलू जिम्मेदारियों का आनंद लेते हैं। आप में रचनात्मक क्षमता है व आप अतिशय क्रियात्मक सामर्थ्य के स्वामी हैं। आप समाज में लोकप्रिय होते हैं, गंभीर से गंभीर रहस्य को भी आप सामने वाले के मन से निकलने में चतुर होते हैं। आप पूर्णतः सांसारिक और अपने लक्ष्य तक पहुँचने में सफल होते हैं। आप परिश्रमी सुव्यवस्थित व मर्यादित रहते हैं, आप एक ही आजीविका से संतुष्ट नहीं होते, आपकी दृष्टि में व्यापार प्रधान होता है, भले ही आप नौकरी करते हों, और आप इन कार्यों में सफल भी होते हैं, आप अच्छे माँ-बाप और अंततः ऐसे व्यक्ति सिद्ध होते हैं, जिनके पास परिवार का प्रत्येक सदस्य विपत्ति के समय परामर्श लेने आता है, परन्तु आपमें असुरक्षा की तीव्र भावना भी होती है, और आप नाहक ही वैधुर्य व एकाकीपन की चिंता में लीन रहते हैं।

अंक 7 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में सात का अंक अनुपस्थित है। अतः आपको दूसरे लोगों की भावनाओं के प्रति अविवेक की प्रवृत्ति होती है। आप अपने दैनिक जीवन में अव्यवस्थित होते हैं। आपके कामों व पढ़ाई में रुकावट आती है। यह अंक मध्यम में होने के कारण सभी अंकों का आधार अंक है। आपकी आध्यात्मिक अथवा आत्मज्ञान सम्बन्धी बातों में कोई अभिरुचि नहीं होती। आत्मविश्वास की कमी के कारण आप एकांकी रहना भी पसंद नहीं करते, अत्यधिक स्वतंत्रता, तर्क तथा सहृदयता की कमी आपको अलोकप्रिय बना सकती है। आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ता है। कई बार खुद की कार्य क्षमता में संदेह होने लगता है, कि क्या यह मैं कर पाउंगा या नहीं। आपको पेट के रोग, सिरदर्द, रक्त विकार व फेफड़े सम्बन्धी रोग की संभावना रहती है। आवश्यकता इस बात की है, कि आप अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करना व दूसरों के साथ घुलमिल कर रहना सीखें।

अंक 8 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 8 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप अपने वित्तीय प्रबंधन में कुशल नहीं होते, आप या तो बिलकुल ही लापरवाह होते हैं, अथवा दूसरों के प्रति ज्यादा विश्वस्त होते हैं। फलस्वरूप रुपये-पैसे के मामलों में कष्ट प्राप्त करते हैं, आपमें निर्णय शक्ति की कमी व भौतिक साधनों का अभाव रहता है। लक्ष्य-निर्धारण की भी कमी होती है, और कार्य को हाथ में लेकर अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति भी, आपको प्राकृतिक जल्दबाजी को नियंत्रण करने, और अभिनय से पहले सोचने के लिए सिखने की जरूरत है। आप अनुशासित नहीं होते हैं, आप अपने पैसों का हिसाब नहीं रख पाते, जैसे कितना कमाया, कितना लगा और क्या बचा है। आप अधिक मेहनत करने में विश्वास नहीं रखते, आपकी अत्यधिक महत्वाकांक्षा एवं भौतिकवादी सोच आपके लिए तनाव एवं अवसाद का कारण बनती है। आपमें जल्दी स्थिरता नहीं आती, और जीवन में जल्दी से पैसा कमाना चाहते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी इस स्वेच्छा की प्रवृत्ति का त्याग करें, और कुछ करने से पूर्व विचार करने की आदत का विकास करें।

अंक 9 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप महत्वाकांक्षी होते हैं और उन्नति करने की तीव्र आकांक्षा रखते हैं। लोग अनायास ही आपकी तरफ आकर्षित हो जाते हैं। आप देश में हो या विदेश में किसी भी काम में पूरी तरह से सफलता प्राप्त करते हैं। जब आप स्वार्थरहित होकर कार्य करते हैं, तो आपमें आकर्षण अधिक होता है, आप हमेशा चारों ओर घूमते नजर आते हैं। विभिन्न क्षेत्र के लोगों से मिलते हुए उन्हें समझते हुए प्रेम एवं सहानुभूति प्रदान करते हुए, इस अंक के लोगों को देखा गया है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, आप लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। जब आप दूसरों के हित के लिए कार्य करते हैं, तो आपका अंतर्ज्ञान तथा विलक्षण प्रतिभा तथा चारित्रिक दृढ़ता अविस्मरणीय परिणाम देती है। अंक नौ की अवस्थिति मानसिक स्तर तथा क्रियात्मक पंक्ति दोनों में है। यही एक कारण है कि मनुष्य जाती की उपलब्धियां 20वीं सदी में प्रचुर रहीं हैं। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि हम में से बहुतों को अभी मानवता प्रेम का पाठ पढ़ना शेष है।

बुद्धि के अंक - 4. 9 व 2

आपके लोशु चार्ट में 4. 9 व 2 अंकों की उपस्थिति है। इन अंकों की उपस्थिति से इस अंक की सृष्टि होती है, अतः आप बौद्धिक सामर्थ्य व उत्तम स्मरण शक्ति वाले व्यक्ति हैं, इस अंक के प्रभाव से आप स्पष्ट, न्यायसंगत व विश्लेषण में निपुण हैं, लेकिन कभी-कभी अपने आपको दूसरों से उत्कृष्ट समझते हैं, अधिकांश अपनी ही धुन में मग्न रहते हैं। आपको अपनी प्राचीन परंपराओं से ज्यादा लगाव नहीं होता है न आप धर्म पर आँख मूँद कर यकीन करते हैं। आप अपनी मंजिल खुद पाने और अपना रास्ता खुद बनाने में यकीन रखते हैं। आप कुछ मामलों में हठी स्वभाव के हो सकते हैं लेकिन दूसरों के लिए आप एक विश्वासपात्र मित्र के रूप में सामने आते हैं। आप दिखावे और चापलूसी में यकीन नहीं करते हैं।

भावनात्मक संतुलन के अंक - 4, 5 व 6

आपके लोशु चार्ट में 4, 5 व 6 अंकों की उपस्थिति है, अतः आप करुणाशील व चौकस प्रवृत्ति के होते हैं। आप प्रायः ऐसी आजीविका अपनाते हैं, जिसमें आप दूसरों की सहायता कर सकें, आप संवेदनशील होते हैं और प्रायः अंतर्ज्ञानि भी, आप दूसरों की आवश्यकता को समझने की दैवी-शक्ति के स्वामी हैं। अपनी किशोरावस्था में आप शर्मीले प्रतीत होते हैं, बाल्यकाल में भी शांत, भद्र व मृदुता से व्यवहार करने वाले होते हैं। अपने प्रभावी स्वभाव और अच्छे संचार कौशल की वजह से किसी भी स्थिति को संभालने में सफल रहते हैं। आप किसी भी उत्पन्न होने वाली स्थिति को अपने सुनने की क्षमता से दूर कर सकते हैं। आप किसी भी स्थिति में संतुलित, न्यायपूर्ण और निष्पक्ष रहते हुए गहराई से सोचने के बाद ही फैसला लेते हैं। और जीवन में विशेष सफलता प्राप्त करते हैं। यह परम योग है, अदभुत योग है, ऐसे योग में व्यक्ति रंक से राजा बन जाता है। आप भले ही किसी भी क्षेत्र में जाएँ सफलता अवश्य मिलती है।

जल तत्त्व - अंक 1 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की अनुपस्थिति है। अतः आप अपने व्यक्तित्व को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आप पूर्णतः अहम रहित होते हैं। लेकिन आप अपनी बात दूसरों को नहीं कह पाते अर्थात् अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाते। आपमें अभिव्यक्त करने की शक्ति नहीं होती है। इनकी आक्रामकता इनका अहम इन्हें अपने सहकर्मियों एवं सम्बन्धियों के बीच बिल्कुल अलोकप्रिय बना देता है। जिस कारण आप कई बार अपने आप को बिल्कुल अकेला महसूस करते हैं। कई बार आप अधिक आत्मविश्वास के शिकार हो जाते हैं। आप अधिकांश लोगों के बीच खुद को असहज महसूस करते हैं। कार्य में एकाग्रता और निरन्तरता का अभाव होता है।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालांकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वाकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी

सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। ९ अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रांग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमे निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और करिश्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

बुध दिनांक 22 मई से 21 जून एवं 24 अगस्त से 23 सितंबर तक, पाश्चात्य मत से, सूर्य मिथुन एवं कन्या राशि में रहता है तथा भारतीय मतानुसार 15 जून से 15 जुलाई तक एवं 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक सूर्य मिथुन तथा कन्या राशि में रहता है। मिथुन बुध की स्वराशि तथा कन्या उच्च राशि है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक पांच के लिए कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार के दिन आप अपना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य या रोजगार व्यापार संबंधी कार्य प्रारंभ करें तो यह आपके लिए अच्छा रहेगा। इन दिवसों में अनुकूल तारीखें भी हों तो आपके लिए श्रेष्ठ फलदायक सिद्ध होगा।

शुभ तारीखें

अंग्रेजी के किसी भी माह की 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 तारीखें आपके लिए कोई कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगी। इन तारीखों में आपके लिए अपना कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, उच्च अधिकारी या किसी विशिष्ट व्यक्ति से मिलना, पत्र लेखन इत्यादि विशेष लाभप्रद रहेगा।

अशुभ तारीखें

अंग्रेजी माह की 2, 4, 11, 13, 20, 22, 29 एवं 31 तारीखों में किसी भी प्रकार का व्यापार संबंधी कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, अथवा पत्र व्यवहार संबंधी कार्य करना आपके लिए प्रतिकूल है। अतः आप इन तिथियों में कोई भी शुभ कार्य संपन्न न करें।

मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 तारीखों अथवा 15 जून से 15 जुलाई एवं 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के मध्य हुआ है, ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता अच्छी रहेगी तथा ये लोग रोजगार-व्यवसाय के क्षेत्र में भी आपके सफल मित्र साबित होंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

कोई भी महिला जिसका मूलांक 3, 5, 9 होता है तथा जिसका जन्म 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 दिनांकों में हुआ हो वे आपके लिए विशेष शुभ फलदायक रहेंगी तथा इन महिलाओं से आप स्नेहपूर्ण संबंध रख सकते हैं।

अनुकूल रंग

मूलांक के अनुसार आपके लिए हल्का खाकी, सफेद चमकीला उज्ज्वल रंग उत्तम रहेंगे। अतः ये आपके स्वास्थ्य आदि के लिए ठीक रहेंगे। हो सके तो आप इन रंगों का रुमाल हर समय अपने साथ रखें और यदि आप अपने ड्राइंग रूम के पर्दे, चादर, तकिये, बिछावन आदि इसी रंग का पसंद करेंगे तो और भी अच्छा रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए उपयुक्त दिशा उत्तर है। इसलिए आपके लिए ऐसा मकान या फ्लैट शुभ रहेगा जिसका मूलांक तथा नामांक 5 हो। उत्तर दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। आप अपने घर की बैठक उत्तर दिशा में ही करें एवं घर के फर्नीचर आदि का रंग खाकी, सफेद चमकीला होना चाहिए, जो आपके लिए अच्छे फल देने वाले होंगे।

शुभ वाहन नं

अगर आप स्वयं का वाहन खरीदना चाहते हैं तो उसके लिए आपको पहले अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करने वाले अंकों के अनुसार पंजीकरण क्रमांक लेना हितकर रहेगा। आपका मूलांक 5 है एवं मित्रांक 3 एवं 9 हैं। अतः आपके लिए शुभ पंजीकरण क्रमांक 5234 = 5 आदि होना चाहिए। आपके वाहन का नंबर 104 = 5 इत्यादि हो तभी आपके लिए यह शुभ फलदायक रहेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आती है तथा आप चर्म रोग, स्नायु निर्बलता, मानसिक चिंता, दुर्बलता, शारीरिक कमजोरी तथा मानसिक दुर्बलता से ग्रसित हो जाते हैं। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय विष्णु की पूजा, पूर्णिमा का व्रत कर के, केले का प्रसाद लें।

व्यवसाय

तार और टेलीफोन विभाग, ज्योतिष, सेल्समैन, डाकघर, पोस्टमैन, बीमा विभाग, बैंकिंग, बजट निर्माण, रेलवे इंजीनियरी, संपादक, तंबाकू व्यवसाय, रेडियो व्यवसाय, लेखक, पत्रकार, अनुवादक, राजनीति संबंधी कार्य, मुद्रणालय, संचार व्यवस्था, पुस्तक विक्रेता, पुस्तकालय, लाइब्रेरियन, यातायात संबंधी कार्य, इतिहास, खोज एवं पुरातत्व विभाग, आविष्कारक, मुनीम, पर्यटक एवं बुद्धि बल के समस्त कार्य।

व्रतोपवास

बुधवार को बुध अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। पैंतालीस या सत्रह बुधवारों को यह व्रत करें। हरे रंग के कपड़े पहनें एवं हरे पदार्थों का दान करें। तुलसी के पत्ते खाना एवं चढ़ाना लाभप्रद रहता है। पन्ना या मरगज की माला पर बुध मंत्र का जप करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए पन्ना शुभ रत्न है। उसके न मिलने पर उपरत्न मरगज, ओनेक्स, ग्रीन पेरनीडाट धारण करें। इसे आप सोने या चांदी में तीन से छह रत्ती में बनवा कर, बुधवार के दिन, शुक्ल पक्ष में दायें हाथ की कनिष्ठा उंगली में, त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप बुध ग्रह की उपासना करें भगवान लक्ष्मी नारायण की आराधना करें। भगवान लक्ष्मी नारायण के चतुर्दशाक्षरी मंत्र “ओम् ह्रीं ह्रीं श्री श्री लक्ष्मी वासुदेवाय नमः” का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगी तो आप विभिन्न रोगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगी। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान लक्ष्मी नारायण के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए बुध के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु बुध के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

बुध गायत्री मंत्र - ॐ सौम्यरूपाय विद्महे बाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्यः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप बुध का ध्यान करें, मन में बुध की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ बुध को अनुकूल बनाने हेतु बुध के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान नब्बे माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ ब्राँ ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ जप संख्या 9000 ॥

वनस्पति धारण

आप बुधवार के दिन विधारा की एक इंच लंबी जड़ ला कर, हरे धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या सोने या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे बुधवार के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक बुधवार को एक बाल्टी या बर्तन में हरड़, बहेड़ा, गोमय, चावल, गोरोचन, स्वर्ण, आंवला और मधु आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ बुध के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए कूटूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोधा को मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

बुध की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को बुध के पदार्थ कांसी, हाथी दांत, हरा वस्त्र, मूंगा, पन्ना, सुवर्ण, कपूर, शास्त्रा, पफल, षट्पास भोजन, घृत, सर्व पुष्प आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

बुध को अनुकूल बनाए रखने हेतु बुध यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, बुधवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

